अध्याय - 11 | बाजार दर्शन - जैनेन्द्र कुमार

QUIZ-01

1. जैनेन्द्र कुमार का जन्म किस वर्ष हुआ?
   A. सन् 1905
   B. सन् 1906
   C. सन् 1912
   D. सन् 1910 (B)

व्याख्या : जैनेन्द्र कुमार का जन्म सन् 1906 में हुआ था।

2. जैनेन्द्र कुमार किस राज्य के निवासी थे?
   A. उत्तर प्रदेश
   B. गुजरात
   C. मध्य प्रदेश
   D. बिहार (A)

व्याख्या : जैनेन्द्र कुमार उत्तर प्रदेश राज्य के निवासी थे।

3. जैनेन्द्र कुमार का जन्म उत्तर प्रदेश के किस जिले में हुआ था?
   A. वाराणसी
   B. कानपुर
   C. अलीगढ़
   D. फैजाबाद (C)

व्याख्या : उनका जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में हुआ था।

4. जैनेन्द्र कैसे साहित्यकार थे?
   A. कथाकार
   B. व्यंग्यकार
   C. साहित्यकार
   D. इनमें से कोई नहीं (A)

व्याख्या : जैनेन्द्र कुमार एक प्रमुख कथाकार थे।

5. जैनेन्द्र की निम्न में कौन-सी रचना है?
   A. परख
   B. अनाम
   C. A, B दोनों
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : 'परख' और 'अनाम' दोनों जैनेन्द्र कुमार की रचनाएँ हैं।

6. प्रस्तुत निबंध जैनेन्द्र की कैसी रचना है?
   A. कहानी
   B. उपन्यास
   C. निबंध
   D. काव्य (C)

व्याख्या : प्रस्तुत रचना एक निबंध है, जिसमें जैनेन्द्र ने बाजार के प्रभाव का वर्णन किया है।

7. बाजार का जादू चढ़ने पर व्यक्ति क्या करता है?
   A. अनावश्यक सामान खरीदता है
   B. आवश्यक सामान खरीदता है
   C. क्रय शक्ति प्रदर्शित करता है
   D. A, C दोनों (D)

व्याख्या : बाजार का जादू चढ़ने पर व्यक्ति अनावश्यक खरीदारी करता है और अपनी क्रय शक्ति का प्रदर्शन करता है।

8. बाजाररुपन से क्या तात्पर्य है?
   A. बाजार का आकर्षण
   B. पैसे का आकर्षण
   C. बाजार का विकृत रुप
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : 'बाजाररुपन' शब्द से तात्पर्य है—बाजार का विकृत रुप, जो लोगों को अनावश्यक वस्तुएँ खरीदने के लिए प्रेरित करता है।

9. मनुष्य अपने किस मनोवृत्ति के कारण अनावश्यक खरीदारी करता है?
   A. दिखावा
   B. आर्थिक मनोवृत्ति का प्रदर्शन
   C. लोगों को दिखाने की मनोवृत्ति
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : मनुष्य लोगों को दिखाने की मनोवृत्ति के कारण अनावश्यक चीजें खरीदता है।

10. बाजार जाति-धर्म के आधार पर नहीं चलती, वह क्या देखती है?
   A. आर्थिक क्षमता
   B. क्रय की शक्ति
   C. A, B दोनों
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : बाजार जाति और धर्म को नहीं देखती, वह केवल व्यक्ति की क्रय शक्ति और आर्थिक क्षमता को देखती है।

मिशन ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES